नमसइ जिला में द्विफसली चावल की खेती

चावल अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख मुख्य भोजन तथा खेती के हत सबसे बड़ा है। कुल उत्पादन को बढ़ाने के लिए फसल में वैज्ञानिक ृषि और गहनता में वृद्धि करना बहुत जरूरी है। नमसइ जिले में चावल अहो– साली) का कम से कम दो फसलों को वैज्ञानिक प्रबंधन किया जा कता है।

केस्में:

ाहु चावलः खेती के लिए अधिक उपज देने वाली किस्मों के बीज – जैसे **.achit, Chilarai, Gopinath, Luit Govind, Culture-1, Anjali, /andana** का चयन करना चाहिए।

ाली चावलः **रंजीत बहादुर, Moniram, Pioli, Disang, Mahsuri, atya, Basundhara, Manohar Sali, Bhalum-1 आदि** का चयन रना चाहिए।

ूमि की तैयारीः भूमि अच्छी तरह जुताई द्वारा तैयार किया जाना चाहिए।

ाद एवं उर्वरकः कार्बनिक और अकार्बनिक उर्वरक का एक संयोजन बेहतर उपज देता है। खाद (गोबर) 10 टन / हेक्टेयर प्रयोग किया जाना चाहिए। र्द्ध बौनी किस्मों के लिए उर्वरक के रूप में निम्नानुसार प्रयोग किया जाना ाहिए

ूरिया 88 किग्रा, सएसपी 125 किग्रा, एमओपी 32 किग्रा। हालांकि, उर्वरकों ी सही खुराक के के लिए मिट्टी परीक्षण किया जा सकता है। गोबर खाद ूमि की तैयारी के दौरान प्रयोग किया जाना चाहिए। एसएसपी, एमओपी का म्पूर्ण मात्रा और यूरिया का एक तिहाई मात्रा का प्रयोग बेसल खुराक के रूप में किया जाना चाहिए। शेष यूरिया खड़ी फसल में दो बार में कल्ला था फूल बनते समय किया जा सकता है।

ीज दरः

ाहो चावल (डायरेक्ट बुवाई): 75 किलोग्राम / हेक्टेयर (1.5 किलोग्राम / 00 वर्ग मीटर भूमि) के लिए।

ाली चावलः 45 किलोग्राम / हेक्टेयर।

ीज उपचारः इन्डोफिल एम –45 का 2.50 ग्राम / किलो दर से बीज उपचार करें।

बुवाई का समय :

अहो चावलः मार्च – अप्रैल।

साली चावलः जून – जुलाई

निराई और गुड़ाईः

प्रथम निराई बुवाई के बाद 2–3 सप्ताह बाद दूसरी निराई बुवाई के बाद 4–5 सप्ताह वीडर से अथवा हाथ से किया जाना चाहिए।

कटाईः

80 प्रतिशत दाना पकने पर कटाई किया जाना चाहिए। कटाई में देरी से नुकसान होगा। भंडारण के लिए बीज ठीक से सूख जाना चाहिए। सूप ठीक से किया जाना चाहिए।

कीट प्रबंधनः

पीला शूट बोररः

लक्षणः बाल का सफेद होना **नियंत्रण उपायः** पहली जुताई के समय **अवशेष का** विनाश। क्लोरपाइरीफोस 20 ईसी का 1 मिली/ लीटर पानी का घोल का छिड़काव करना चाहिए।

गन्धी बगः

लक्षणः दूधिया अवस्था में अनाज का विकास अधूरा होना।

नियंत्रण उपायः प्रकाश जाल का प्रयोग, जाल के उपयोग से वयस्कों के संग्रह और नष्ट करना। मेलाथियान 5 प्रतिशत धूल का 25 किलो / हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए।

रोगः

राइस ब्लास्ट

लक्षणः पत्तियों के उपर पहले छोटा धब्बा बनता है। पुरानी पत्तियों में यह धब्बा एक सेमी तक बड़ा हो सकता है। (धुरी के आकार का)।

नियंत्रण उपायः कारबेन्डाजियम 2.5 ग्राम / किलोग्राम बीज के साथ बीजोपचार। बाविस्टिन 1 ग्राम / लीटर पानी घोल का छिड़काव।

Blacterial leaf blight:

लक्षणः

एक किनारे पर लहराती मार्जिन के साथ पीले रंग की धारियों। **नियंत्रण के लिए** कारबेन्डाजियम 2.5 ग्राम/ लीटर पानी घोल का छिड़काव करना चाहिए।